3 T

Total No. of Printed Pages—3

1 SEM TDC HND M 1

2018

(November)

HINDI

(Major)

Course : 101

(हिन्दी साहित्य का इतिहास)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32/24

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×8=8

(क) वीरगाथा काल को चारण काल किसने कहा है?

(ख) हिन्दी का सर्वप्रथम महाकाव्य किसे माना जाता है?

(ग) गोस्वामी तुलसीदास की पत्नी का नाम क्या है?

(घ) कृष्ण भक्ति का संबंध किस संप्रदाय से है?

(ङ) किस रस का वर्णन करने में सूरदास को बेजोड़ माना गया है?

(च) कबीरदास की वाणी का संग्रह किस नाम से जाना जाता है?

(छ) भारत में प्रयोगवाद का आरंभ होने का मूल कारण क्या था?

(ज) आधुनिक युग का प्रवर्तक किसे माना जाता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4

(क) सिद्धों का संबंध किस धर्म से था और उनकी रचनाओं का मूल उद्देश्य क्या था?

(ख) सूरदास के वात्सल्य वर्णन की दो विशेषताएँ बताइए।

(ग) तुलसीदास की 'विनय-पत्रिका' की रचना कब और किन परिस्थितियों में करनी पड़ी?

(घ) उपन्यास-सम्राट किसे कहा जाता है और उनका मूल नाम क्या था?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×4

(क) 'पृथ्वीराज रासो' की प्रामाणिकता का सामान्य परिचय दीजिए।

(ख) निर्गुण भक्ति शाखा की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

(ग) भक्तिकाल की राजनीतिक परिस्थिति का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) हिन्दी साहित्य के विकास में 'सरस्वती' पत्रिका के अवदान का उल्लेख कीजिए।

(Continued)

4. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन किस आधार पर किया है? क्या आपकी दृष्टि से यह काल-विभाजन युक्तिसंगत है? सतर्क एवं सप्रमाण उत्तर देते हुए एक तार्किक नामकरण एवं काल-विभाजन की रूपरेखा तैयार कीजिए। 12

अथवा

हिन्दी साहित्य के विकास में रासो साहित्य के अवदान का सामान्य परिचय दीजिए।

5. भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? स्पष्ट कीजिए। 12

अथवा

निर्गुण काव्य-धारा की प्रवृत्तियों का वर्णन कीजिए।

6. कृष्ण काव्य-परंपरा में 'सूर' का स्थान निरूपित कीजिए। 12

अथवा

प्रेमाख्यान काव्य-परंपरा का सामान्य परिचय देते हुए उसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. हिन्दी आलोचना की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए। 12

अथवा

प्रगतिवाद की सामान्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

★★★